एक नजर में

51 हजार के वाटर मिल्टन 11 हजार ग्राम इकाई को दान

नागझिरी। राष्ट्रीय कुशवाहा महासभा के अनुशासन समिति अध्यक्ष व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तोताराम महाजन के पूज्य पिताजी बड़गांव निवासी फतुलाल सोलंकी का गत दिनों देवगमन हुआ था गुरुवार को 11 वे दिन गांव की कुशवाहा धर्मशाला में शोक सभा व पगड़ी रसम कार्यक्रम संपन्न हुआ खरगोन धार बड़वानी खंडवा इंदौर भोपाल सहित हजारों की संख्या में समाज जनों ने पहुंचकर श्रद्धा सुमन से श्रद्धांजलि अर्पित की इस दौरान पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव पूर्व कृषि मंत्री व विधायक सचिन यादव पूर्व विधायक परसराम डडीर ठाकुर सुरेंद्र सिंह बंदना विधायक छाया मोर सहित भाजपा व कांग्रेस के नेताओं ने स्वर्गीय सोलंकी के जीवन पर प्रकाश डाला विधायक मोरे ने बताया स्वर्गीय सोलंकी दादा उन्नतशील किसान व क्षेत्र में जमीदार के नाम से पहचाने जाते थे 99 वर्ष की आयु में पुत्रों सहित नाती व प्रपत्रों के बीच 18 वर्ष रहकर सौभाग्यवान किस्मत वालों को दीर्घायु प्राप्त होती ह उनका जीवन सरल स्वभाव वह भक्ति आध्यात्मिक था पगड़ी कार्यक्रम में परिजनों द्वारा 51000 के वाटर मिल्टन वी ग्राम इकाई बड़गांव को 11000 रुपए दान स्वरूप दिए गए दुर्धरा से पहुंचे लोगों ने अन्य दान प्रसादी पाई कार्यक्रम में राष्ट्रीय कुशवाहा महासभा के कोषाध्यक्ष लोकमन कुशवाहा जिला अध्यक्ष रमेश चंद्र कुशवाहा प्रभाग अध्यक्ष संतोष बाबा समाज वरिष्ठ रामकरण कुशवाहा कार्यक्रम का संचालन सालक राम धामडे ने किया

पूर्णिमा को उत्साह के साथ मना रक्षाबंधन पर्व

महेश्वर। श्रावण माह की पूर्णिमा शुक्रवार को क्षेत्र में रक्षाबंधन पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। भाई-बहन के इस पावन और पवित्र त्यौहार पर सुबह से ही बाजार में रौनक देखी गई। मिठाइयों की दुकानों के साथ रांखी की दुकानों पर भी भारी भीड़ रही। लंबे समय बाद बसों में भी भारी भीड़ देखी गई । कई घरों में सुबह से ही रांखी बांधने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था जो देर रात तक चलता रहा । बहनों ने अपने भाइयों को राखी बांधते हुए उनसे रक्षा के साथ भाइयों के जीवन की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भाइयों ने अपनी बहनों के पांव पढ़ते हुए उसे रक्षा का विश्वास दिलाया। विदित हो कि सावन माह की पूर्णिमा पर देशभर में रक्षापन पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है इस पर्व के दौरान बड़े से बड़े और छोटे से छोटे गांव तथा शहरों में रहने वाली बहने अपने भाई के घर जाकर भाई को रक्षा, विकास और उन्नति की आस्था और विश्वास की भावना के साथ रक्षा सूत्र बांधने का काम पारंपरिक रूप से कर रही है इस अवसर पर भाई भी अपनी बहन को यथायोग्य उपहार देते हुए उसकी रक्षा करने का आश्वासन देने के साथ ही उसके चरण स्पर्श करते हुए समृद्धि की कामना करता है।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर नगर के कई धार्मिक संस्थाओं ने मां नर्मदा तथा भगवान श्री काशी विश्वनाथ व श्री हनुमान जी महाराज को रक्षा सूत्र बांधते हुए उनसे भी अपनी समृद्धि व रक्षा की कामना की।

बंदी भाइयों के जीवन में जगी नई आस

महेश्वर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र महेश्वर की ओर से उप जेल, महेश्वर में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनों ने उप जेल पहुंचकर बंदी भाइयों एवं जेल स्टाफ के सदस्यों के हाथों पर प्रेम, विश्वास और शुभ भावना का रक्षासूत्र बांधा । इस आत्मीय पहल ने बंदी भाइयों के मन में आत्मचिंतन, सकारात्मक परिवर्तन और नवजीवन की उम्मीद जगाई। महेश्वर सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने बंदी भाइयों को रक्षासूत्र बांधते हुए उन्हें व्यसन एवं नशे से सदैव दूर रहने का वचन लिया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक-दूसरे की रक्षा का पर्व नहीं, बल्कि स्वयं को जीवन की बुराइयों, विकारों और व्यसनों से मुक्त करने का पावन संकल्प है। उन्होंने बंदी भाइयों को प्रेरित करते हुए कहा कि परिस्थितियां मनुष्य के जीवन की दिशा निर्धारित नहीं करतीं, बल्कि उसके श्रेष्ठ संकल्प और सकारात्मक चिंतन जीवन को नई दिशा देते हैं। बीता हुआ कल चाहे जैसा रहा हो, दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ वर्तमान को श्रेष्ठ बनाकर भविष्य को संवारा जा सकता है।इस अवसर पर वासुदेव पुरोहित, बी.के कशिश, बी.के वैशाली बहन के साथ अन्य कार्यकर्ता व जेल स्टाफ के सदस्य गण उपस्थित थे।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी प्रेम की डोर

भीकनगांव। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन नगर में उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। त्योहार को लेकर भीकनगांव के बाजारों में सुबह से ही रौनक नजर आई। राखी, मिठाई, कपड़े और उपहारों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही।

रक्षाबंधन को लेकर नगर के मुख्य बाजार में राखियों की आकर्षक दुकानें सजीं। रंग-बिरंगी राखियों के साथ बच्चों और युवतियों के लिए कार्टून कैरेक्टर, मोती, चंदन, रुद्राक्ष सहित विभिन्न डिजाइनों की राखियां उपलब्ध रहीं। बहनों ने भाइयों की पसंद के अनुसार राखियां खरीदीं, वहीं भाइयों ने भी बहनों के लिए उपहारों की खरीदारी की।

शुभ मुहूर्त में बंधी राखी

रक्षाबंधन पर बहनों ने शुभ मुहूर्त में भाइयों की कलाई पर राखी बांधी नगर के वार्ड 11 अहिल्या मार्ग की शिविका अग्रवाल ने भाई रेयॉन्स अग्रवाल को बाधी राखी उनकी लंबी उम्र व सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर जीवनभर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। घरों में पूजा-अर्चना के बाद राखी बांधने का सिलसिला दिनभर चलता रहा ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की रंजना बहन व शिवप्रिया बहन द्वारा पुलिस थाने पर जा कर पुलिस के जवानों को रक्षा सूत्र बांधा। त्योहार के चलते मिठाई की दुकानों पर भी अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। दुकानदारों के अनुसार मिठाइयों के दाम बढ़ने के बावजूद ग्राहकों में उत्साह कम नहीं हुआ। लोगों ने मिठाई के साथ अपने रिश्तेदारों और परिचितों के लिए उपहार भी खरीदे।

बाजार में दिखा भाई-बहन के प्रेम का रंग

रक्षाबंधन के अवसर पर भीकनगांव का बाजार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और प्रेम के रंग में रंगा नजर आया। सुबह से शाम तक बाजार में चहल-पहल बनी रही। दुकानदारों को भी अच्छे कारोबार की उम्मीद रही। रक्षाबंधन का पर्व नगर में प्यार, विश्वास और भाई-बहन के अटूट बंधन के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया।

काशी विश्वनाथ घाट पर धारण किए नए जनेऊ

महेश्वर। श्रावणी उपाकर्म के पावन अवसर पर नार्मदीय ब्राह्मण समाज जनों ने शुक्रवार को नर्मदा तट के श्री काशीविश्वनाथ घाट पर स्नान व पुजा-अचना के पश्चात प.पु.दिलीप सोहनी के मार्गदर्शन में विधि-विधान के साथ नवीन जनेऊ धारण किये । धार्मिक परंपरा के अनुसार समाजजनों ने नर्मदा स्नान कर शुद्धिकरण के पश्चात सामूहिक रूप से श्रावणी उपाकर्म की धार्मिक क्रियाएं संपन्न कीं। पं. दिलीप सोहनी ने वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए विधिवत से पूजन कार्यक्रम संपन्न करवाया गया। इस दौरान भगवान गणेश, ऋषि-मुनियों एवं देवताओं का पूजन कर नवीन यज्ञोपवीत का संस्कार किया गया। पं. सोहनी ने श्रावणी उपाकर्म के महत्व पर प्रकाश डाला।

काशीविश्वनाथ घाट और काशीविश्वनाथ मन्दिर परिसर पर आध्यात्मिक वातावरण में हुए इस आयोजन में समाज के बड़ी संख्या में पुरुष एवं युवाओं ने सहभागिता की। पूजन के पश्चात सभी ने आरती पूजन कर समाज, परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

वीन ब्राह्मण घाट पर हेमाद्रि स्नान के बाद किया श्रावणी उपाकर्म

मण्डलेश्वर। नर्मदा तट ब्राह्मण घाट पर हेमाद्रि स्नान के पश्चात नार्मदीय ब्राह्मण समाज धर्मशाला में पंडित पंकज मेहता के सानिध्य में श्रावणी उपाकर्म का पावन आयोजन विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। वेद मंत्रों के पावन उच्चारण के बीच उपस्थित ब्राह्मण बंधुओं ने पूजन-अर्चन कर पुरानी यज्ञोपवीत (जनेऊ) का त्याग एवं नवीन यज्ञोपवीत धारण किया।

श्रावणी उपाकर्म आत्मशुद्धि, सदाचार, संयम एवं धर्म के प्रति अपने संकल्प को दृढ़ करने का महत्वपूर्ण पर्व है।कार्यक्रम के समापन अवसर पर भक्तिभाव के साथ महाआरती संपन्न हुई। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने धार्मिक वातावरण में सहभागिता कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। पंडित केदार शुक्ला, पंडित सिद्धनाथ उपाध्याय, प्रकाश मेहता, पंडित सुनील जोशी, दीपक मंडलोई, नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे, नार्मदीय ब्राह्मण समाज अध्यक्ष नंदकिशोर डोंगरे, मनीष डोंगरे, शरद वैद्य, अनिल भटोरे, हितेंद्र शर्मा,संजय चौबे, संतोष डोंगरे, यशवंत पगारे, मनोज शर्मा, रितेश शर्मा, भास्कर सोहनी, मनोज डोंगरे, देवेंद्र मोयदे,मनोज जोशी, सुनील भटोरे एवं नितिन डोंगरे सहित समाजजन उपस्थित रहे।

जेल में भाइयों की कलाई पर भी बंधी राखी

खरगोन। शहर के टेमला रोड़ स्थित जिला जेल में रक्षाबंधन पर्व उत्सवी माहौल में मनाया गया। जेल में बंद अपने कैदी भाइयों को मिलकर राखी बांधने का अवसर मिलने की खुशी बहनों के चेहरे पर साफ नजर आई। राखी बांधने पहुंची कई बहनों की आंखें उस वक्त नम हो गई, जब उन्होंने जेल के अंदर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी।

जेल प्रबंधन ने भी भाई-बहनों की मुलाकात के विशेष प्रबंधन किए थे। यह पहला अवसर होता है, जब परिवार के लोगों को एक साथ मुलाकात का मौका मिलता है। इस रक्षाबंधन पर जेल अधीक्षक हिमानी मनवारे ने नवाचार करते हुए राखी बांधने आई बहनों के साथ आए बच्चों को ड्राईंग बुक, कलर पेंसिल और चॉकलेट बांटी। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा जिन भाईयों की बहनें नही पहुंच सकी, उन्हें उन्होंने खुद राखी बांधी। राखी बांधने के बाद बंदियों से पुनरू कोई अपराध नहीं करने की प्रतिज्ञा कराई। जेल अधीक्षक ने कहा कि रक्षाबंधन जाति, धर्म और सीमाओं से ऊपर उठकर पूरे मानव समाज को प्रेम, शांति और भाईचारे के सूत्र में जोडने का पर्व है। जेल में सुबह 9 से शाम 4 बजे तक प्रवेश दिया गया। सुबह 6 बजे से ही महिलाएं एवं बहनें जेल गेट पर पहुंचने लगी थीं। भाई से मिलने को आतूर बहनें कतार में लगकर अपने भाई से मिलने का इंतजार करने लगी। यह इंतजार उस वक्त खत्म हुआ जब उन्हें प्रवेश प्रक्रिया के बाद जेल गेट में प्रवेश दिया गया। उप जेल अधीक्षक सुभद्रा ठाकुर ने बताया कि जेल प्रशासन की ओर से पुजन सामग्री, थाली उपलब्ध कराई गई थी। बहनें अपने साथ राखी, मिठाई और लड्डू लेकर जेल पहुंचीं। इस दौरान उन्हें मुलाकात के लिए समय भी दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच भाई-बहन के स्नेह और भावनाओं का मार्मिक दृश्य देखने को मिला।

श्रावणी पूर्णिमा पर्व पर किया उपकर्म

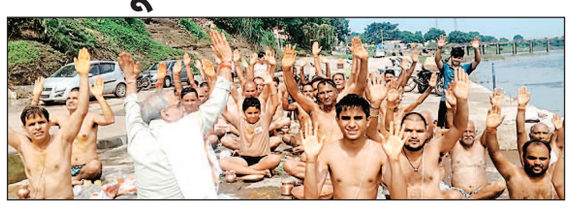

गोगावां। तहसील मुख्यालय पर शुक्रवार श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर मां वेदा नदी के तट पर पंडित महेशचंद्र शुक्ला द्वारा पवित्र हिमाद्रि पढ़कर श्रावणी उपकर्म धार्मिक रीति रिवाज से सम्पन्न करवाया गया। जिसमें दशविध स्नान और आत्मशुद्धि कराई गई इस अवसर पर बाह्मण समाज के लोगों को पवित्र वेदा नदी में स्नान करवाकर गाय के दूध,दही,घी,गोबर,गोमूत्र (पंचगव्य),भस्म, मिट्टी ओर कुशा आदि से देशविद स्नान कर वर्षभर में हुए ज्ञात अज्ञात दोषों के प्रायश्चित और आत्मशुद्धि करते हैं।इसके पश्चात ऋषि तर्पण ओर पितृ तर्पण किया गया। जिसमें देह शुद्धि के बाद वेदों के संवरक्षण के लिए अरुधंति सहित सप्तऋषियों का आव्हान ओर पूजन किया गया एवं देव,ऋषि और पितरों को जल से तर्पण किया गया ।फिर वैदिक मंत्रोच्चार के बाद मंदिर में पुराने जनेऊ को त्यागकर नया यज्ञोपवीत धारण किया गया ।इसके

एक नजर

बड़ा मंदिर जी में पंचामृत अभिषेक एवं सामूहिक पूजन, 700 मुनियों की रक्षा की कथा का हुआ स्मरण

भगवान श्रेयांसनाथ के मोक्ष कल्याणक पर लड्डू किया समर्पित

सनावद। श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में रक्षाबंधन पर्व एवं ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ जी के मोक्ष कल्याणक महापर्व को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। समाज प्रवक्ता सन्मति जैन काका ने बताया कि पावन अवसर पर प्रात: सर्वप्रथम श्रीजी का पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा कर सामूहिक पूजन किया गया।

ग्यारहवें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में प्रभु को लड्डू समर्पित किया गया। प्रशांत चौधरी ने बताया कि श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के इस पवित्र दिन भगवान श्रेयांसनाथ जी

ने अपने समस्त कर्मों का क्षय कर जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति यानी मोक्ष प्राप्त किया था। मीना जटाले ने रक्षाबंधन का इतिहास बताते हुए कहा कि जैन पौराणिक ग्रंथों के अनुसार उज्जयिनी में श्री धर्म नाम के राजा के चार मंत्री बलि, बृहस्पति, नमुचि और प्रह्लाद जैन धर्म के घोर विरोधी थे। शास्त्रार्थ में पराजित होने पर उन्होंने श्रुतसागर मुनिराज पर प्रहार का प्रयास किया तो राजा ने उन्हें देश निकाला दे दिया। वे हस्तिनापुर के राजा पद्म की शरण में चले गए। कुछ समय बाद मुनि अकंपनाचार्य 700 मुनि शिष्यों के संग हस्तिनापुर पधारे। बलि ने बदले की भावना से राजा से वरदान में सात दिन के लिए राज्य मांग लिया और मुनियों की साधना स्थल के चारों ओर आग लगवा दी। धुएं और ताप से मुनियों को अपार कष्ट हुआ, परंतु उन्होंने अन्न-जल त्याग की प्रतिज्ञा ली। वह दिन श्रावण शुक्ल पूर्णिमा का ही था। मुनियों पर संकट जानकर मुनिराज विष्णुकुमार ने वामन वेश धारण कर बलि से तीन पग धरती मांगी और योग बल से विराट रूप धारण कर मुनियों की रक्षा की। तभी से जैन परंपरा में रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है। इस दिन श्रावक-श्राविकाएं मंदिरों में जाकर धर्म और संस्कृति की रक्षा के संकल्प के साथ रक्षासूत्र बांधते हैं। इस अवसर पर बड़े मंदिर के साथ ही पोदनपुरम नमोकार धाम एवं मोरटक्का में भी लड्डू समर्पित किये।

खंडवा

एक नजर में

किसानों के लिए जरूरी सलाह...

खंडवा. वर्तमान में सोयाबीन की फसल लगभग 2 माह की अवधि पूर्ण हो गई हैं, सोयाबीन की खेती किये जाने वाले क्षेत्रों में सोयाबीन फसल पर फफुदजनित रोग (रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट एवं एन्थ्राक्नोज) तथा चक्र भृंग के साथ-साथ पत्ती खाने वाली इल्लियों, यलो मोजेक रोग का प्रकोप देखा जा रहा हैं। उप संचालक कृषि श्री नितेश यादव ने सोया उत्पादक कृषकों को रोगों के लक्षण और कीटों की पहचान के आधार पर जरूरी उपाय अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने सलाह दी है कि पत्ती खाने वाली तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु केन्द्रीय कीनाशक बोर्ड द्वारा क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मि.ली./हे) सहित कई अन्य रासायनिक कीटनाशकों की अनुशंसा की हैं, जिनमे से किसी एक का छिडकाव किये जाने की सलाह हैं, जैसे स्पायनेटोरम 11.7 एस.सी (450 मिली/हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे), या फ्लूवेंडियामाइड 20डब्ल्यू. जी (250-300 ग्राम/हे.) या फ्लूवेंडियामाइड 39.35एस.सी (150 मि.ली/हे.) या इंडोक्साकार्य 15.8 एस.सी (333 मि.ली/हे), या क्लोरफ्लूआजुरोन % 05.40श्रेष्ट (500 मिली./हे) या नोवाल्युरोन इन्डोक्साकार्य 04.50% एस. सी. (825-875 मिली/हे) या ब्रोफ्लानिलाइड 300 द्व/द्य एस.सी. (42-62 ग्राम/हे).)

पॉवर स्टेशन में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

ओंकारेश्वर. भारतीय खेल प्राधिकरण एवं एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप ओंकारेश्वर पावर स्टेशन में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक भवन स्थित प्रेक्षागृह में महान हॉकी खिलाड़ी एवं पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु विशेष सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पावर स्टेशन के समस्त विभागाध्यक्षों ने मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। राष्ट्रीय खेल दिवस महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर उनकी असाधारण खेल प्रतिभा, अनुशासन, समर्पण एवं राष्ट्र के प्रति योगदान को स्मरण करने और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है। भारत सरकार एवं खेल मंत्रालय द्वारा इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस का संदेश 'खेलगा भारत, जीतेगा भारत' दिया गया है, जो स्वस्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री डी.के. द्विवेदी, परियोजना प्रमुख, ओंकारेश्वर पावर स्टेशन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेजर ध्यानचंद जी का प्रतिभा तभी वास्तविक उत्कृष्टता में परिवर्तित होती है.

विधायक कंचन मुकेश तनवे ने बंदियों को बांधी राखी

नवभारत खंडवा। रक्षाबंधन पर्व पर जिला जेल में भाई-बहन के अटूट प्रेम का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जेल में निरुद्ध 600 से अधिक बंदियों से राखी बांधने के लिए हजारों की संख्या में बहनें पहुंचीं, जिनमें 150 से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों से आई बहनें भी शामिल थीं।

इस अवसर पर खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे भी जिला जेल पहुंचीं और 50 से अधिक बंदियों को राखी बांधकर उन्हें अपराध से दूर रहने का संकल्प दिलाया। इस दौरान कई भावुक क्षण आए, जब विधायक की आंखें नम हो गईं। राखी बांधने से पूर्व एक बंदी अपने परिवार के साथ बैठा था, परिवार के सदस्य रो रहे थे। यह

दृश्य देख विधायक भावुक हो गईं और बंदी को समझाया कि परिवार के आंसुओं को याद रखना और ऐसा कोई काम मत करना जिससे दोबारा जेल आना पड़े। विधायक तनवे ने कहा कि 'यह सिर्फ धागा नहीं, विश्वास और जिम्मेदारी का बंधन है। मन, वचन और कर्म से ऐसा कोई काम मत करना जिससे दोबारा जेल जाना पड़े।

जब भी बहन की जरूरत हो, विधायक नहीं, बहन समझकर याद करना।' इस दौरान जेल अधीक्षक डी.के. सारस और जेलर मनोज चौरसिया ने भी विधायक तनवे से राखी बंधवाई। जेलर ने भावुक होकर कहा- 'मैं जहां भी रहूंगा, जन्माष्टमी पर आपसे राखी बंधवाऊंगा।' इस पर विधायक की आंखों से आंसू छलक पड़े। विधायक ने जेल में गौशाला और बंदियों के लिए संगीत सामग्री की मांग पर तुरंत दोनों चीजें उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में भाजपा नेता सतनाम सिंह होरा सहित जेल स्टाफ मौजूद रहा।

तीर्थदर्शन योजना में बुजुर्ग मुंबई जाएंगे

खंडवा. प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत खंडवा जिले के वरिष्ठ नागरिक डॉ. अंबेडकर चैत्यभूमि स्मारक मुंबई की यात्रा करेंगे। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि 'डॉ. अंबेडकर चैत्यभूमि स्मारक मुंबई के लिये विशेष रेल 15 सितम्बर को रवाना होगी तथा 18 सितंबर को वापस आएगी। इस तीर्थ यात्रा के लिए इच्छुक खंडवा जिले के वृद्धजन अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरकर आवेदक जहां निवास करते है, वहाँ से सबंधित नगरीय निकाय या जनपद पंचायत कार्यालय में 1 से 9 सितंबर के बीच कार्यालय समय में कार्य दिवसों में जमा किए जा सकते हैं। इसके लिए आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए तथा उसकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होना चाहिए। महिलाओं के मामले में 2 वर्ष की छूट रहेगी। आवेदक आयकर दाता नहीं होना चाहिए। इस योजना के अंतर्गत आवेदक द्वारा पूर्व में किसी भी धार्मिक स्थान की यात्रा न की गई हो ।यात्रा के लिए आवेदक को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम होना चाहिए। आवेदक को अपने आवेदन में शासकीय चिकित्सालय से इस बात का प्रमाणीकरण भी लिखवाना होगा कि वह किसी संक्रामक रोग टी.बी., कार्डियक, श्वास में अवरोध संबंधी बीमारी से ग्रसित नही है।

अलौकिक रक्षाबंधन कार्यक्रम आध्यात्मिक उल्लास से मना

खंडवा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, भाग्योदय भवन, आनंद नगर, खंडवा में अलौकिक रक्षाबंधन कार्यक्रम आध्यात्मिक उल्लास एवं पवित्र वातावरण में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी शक्ति दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि परमात्मा से जुड़कर स्वयं को बुराइयों से मुक्त करने, पवित्रता अपनाने तथा श्रेष्ठ जीवन जीने का संकल्प लेने का पर्व है। उन्होंने कहा कि सच्चा रक्षा सूत्र आत्मा को विकारों से बचाकर परमात्मा से जोड़ने का संदेश देता है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सेवा से जुड़े सभी भाई-बहनों को पवित्र रक्षा सूत्र बांधा गया तथा उन्हें परमात्मा का संदेश दिया गया। साथ ही प्रशासनिक एवं न्यायिक क्षेत्र में भी ब्रह्माकुमारी बहनों ने पहुंचकर पवित्र रक्षा सूत्र बांधा। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता जी को रक्षा सूत्र बांधकर परमात्मा का संदेश दिया गया। वहीं डिस्ट्रिक्ट जज श्री संजीव श्रीवास्तव जी को भी रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व से अवगत कराया गया।

एक नजर में

जूनियर टीम इवेंट में किया पदक पर कब्जा

होमगार्ड जवान शिवशंकर मिश्रा ने जीता सिल्वर मेडल

खंडवा। जबलपुर में मध्यप्रदेश स्टेट राइफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित 13वीं गन फॉर ग्लोरी एयर वेपन शूटिंग प्रतियोगिता में खंडवा के होमगार्ड सैनिक शिवशंकर मिश्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर टीम इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किया। प्रतियोगिता 20 से 26 अगस्त तक आयोजित हुई, जिसमें प्रदेशभर से 400 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खंडवा जिले से भी करीब 25 एथलीट प्रतियोगिता में शामिल हुए थे।

जानकारी अनुसार होमगार्ड

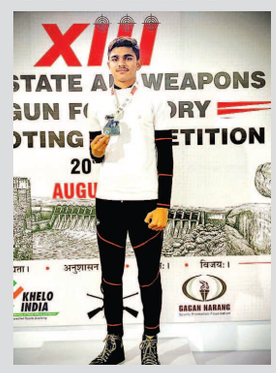

कार्यालय खंडवा में सैनिक के पद पर पदस्थ शिवशंकर मिश्रा ने शूटिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रजत पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से खंडवा जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। शिवशंकर मिश्रा की उपलब्धि पर जिला कमांडेंट होमगार्ड्स एवं एसडीईआरएफ ने उन्हें सम्मानित कर बधाई दी।

अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि शिवशंकर की सफलता जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में निरंतर मेहनत और अनुशासन के दम पर खिलाड़ी जिले और प्रदेश का नाम रोशन कर सकते हैं। अपनी सफलता पर शिवशंकर मिश्रा ने इसका श्रेय अपने प्रशिक्षकों, साथी खिलाड़ियों और परिवार के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि सभी के प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। शिवशंकर की उपलब्धि पर जिले के खेलप्रेमियों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।